B - 3 & 4
L - 12
Social Justice

## 1894 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम का जनजातियों पर प्रभाव

अधिकांशत: नकारात्मक प्रभाव

## 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून में जनजातियों हेतु विशेष प्रावधान

1. यथा संभव जनजातियों के भूमि अधिग्रहण को टाला जाये और जरूरत पड़ने पर ग्राम सभा एवं स्वायत्त परिषद की सहमति अनिवार्य हो।
2. ST परिवार को मुआवजा सामान्य परिवार से अधिक हो तथा मुआवजा की राशी का 1/3 भाग अधिग्रहण से पहले दिया जाए।
3. ST को विस्थापन क्षेत्र में प्राप्त आरक्षण, PESA वन अधिकार अधिनियम आदि का लाभ, पुनर्वासित क्षेत्रों में भी प्रदान करने का प्रावधान।
4. 100 से अधिक परिवारों के विस्थापन पर जनजातिय विकास योजना का प्रावधान।
5. पुनर्स्थापित क्षेत्र में 25 अवसंरचनात्मक सुख सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

(जनजातियों के लिए उपरोक्त प्रावधान विशेष

KGS IAS



Scanned by CamScanner

प्रावधान हैं जो अन्य सामान्य प्रावधानों के अतिरिक्त हैं)

समीक्षा / मूल्यांकन / निष्कर्ष :-

निश्चित रूप से नये भूमि अधिग्रहण एवं पुनर्वास कानून के उपरोक्त प्रावधानों से जनजातीय समस्या का समाधान और जनजातीय विकास में मदद मिलेगी, परन्तु यह इस बात पर निर्भर करता है कि-
इस कानून के प्रति जनजातीय जागरूकता को उत्पन्न करके कितनी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इसको लागू किया जाता है।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि- यह कानून नवीन विकास परियोजनाओं के प्रारम्भ करने के मार्ग में बाधक साबित होगा क्योंकि इससे भूमि अधिग्रहण में अनावश्यक देरी होगी, परन्तु - यह इस बात पर निर्भर करेगा कि - इन परियोजनाओं के बारे में कितनी पारदर्शिता एवं कुशल प्रबंधन को प्रदर्शित किया जाता है।

2

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
Scanned by CamScanner

क्योंकि हाल के दिनों में विभिन्न परियोजनाओं के विरोध में होने वाले आन्दोलन एवं अनावश्यक देरी का मुख्य कारण कानूनी जटिलता नहीं बल्कि पारदर्शिता एवं कुशल प्रबंधन का अभाव और इनका नकारात्मक राजनीतिक प्रबंधन रहा है।

## अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम-1989

PDF Notes

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES

## जनजातीय विकास हेतु योजनागत प्रयास :-

सर्व प्रथम 1952 में जनजातीय विकास से जुड़ी कोई पृथक योजना नहीं थी और सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत जनजातीय विकास पर बल दिया गया।

1955 में जनजातीय विकास से विशेष बहुउद्देशीय विकास खंड के रूप में समन्वित विकास का प्रयास प्रारम्भ -

जिसका नाम तृतीय योजना काल में बदलकर जनजातीय विकास खण्ड कर दिया गया।



Scanned by CamScanner

सर्वप्रथम 5वीं पंचवर्षीय योजना में जनजातीय विकास हेतु, व्यापक एवं सघन कार्यक्रम लागू किया गया और इसको - जनजातीय उपयोजना / ट्राईबल सब प्लान (TSP) नाम दिया गया।

## जनजातीय उपयोजना

## TSP का उद्देश्य

(i) आदिवासियों के सामाजिक आर्थिक विकास को सुनिश्चित करना।

(ii) शोषण के विरुद्ध आदिवासियों को संरक्षण प्रदान करना।

## TSP हेतु वित्तीय स्रोत

सामान्य राज्य योजनाओं, सामान्य वित्तीय संस्थाओं, केन्द्रीय मंत्रालयों तथा विशिष्ट केन्द्रीय अनुदानों के माध्यम से वित्त पोषण।

वर्तमान में 41 केन्द्रीय मंत्रालयों को प्रतिवर्ष जनजातीय विकास की



KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR
Scanned by CamScanner

कुल योजना आवंटन का 4.3 % से 17.5 तक जनजातीय उप योजना नीति के लिए अधिदेशित किया गया है।

जनजातीय विकास संबंधी अन्य प्रमुख कार्यक्रम /योजनाएँ :-

1. अनुच्छेद 275(A) के तहत - अनुदान योजना (समग्र विकास)

2. विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों PVTG की विकास योजना (समग्र विकास)

⇓

• प्रधानमंत्री विशिष्टतः कमजोर जनजाति समूह विकास मिशन - नवम्बर, 2023

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

1960 में ढेबर कमीशन का गठन किया गया

3. अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ, स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान योजना (समग्र विकास) (1954-2008)

4. अनुसूचित जनजाति के लड़कों / लड़कियों हेतु छात्रावास योजना (शिक्षा विकास)

5. आश्रम विद्यालय योजना, 1991/2009 (शिक्षा विकास)



Scanned by CamScanner

6. मैट्रिक पूर्व एवं मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना 2012 (शिक्षा विकास)

7. राष्ट्रीय अध्येयता वृद्धि एवं छात्रवृत्ति योजना (2012-2017)

8. राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना, 2017

9. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय योजना 1997-98 (शिक्षा विकास)

10. अम्ब्रेला योजना, 2017 (शिक्षा विकास)

11. ऑनलाइन लीडर्स कार्यक्रम (GOAL) 2020 (डिजिटल शिक्षा विकास)

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

12. संकल्प से सिद्धि: वन धन मिशन, 2021

13. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (2001) द्वारा संचालित योजनाएँ (कौशल विकास / आर्थिक विकास)

14. जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (TRIFED), 1987 (कौशल विकास और आर्थिक विकास)

- MFP के लिए MSP योजना, 2014 (आर्थिक विकास)



Scanned by CamScanner

- जनजाति उत्पाद के लिए विकास एवं विपणन हेतु संस्थागत समर्थन योजना, 2014 (आर्थिक विकास)
- वन धन योजना, 2018 (कौशल विकास)
- Go Tribal Abhiyan, 2019 (आर्थिक विकास)
- Tech for Tribals Scheme, 2020 (कौशल विकास)

*15. वन बंधु कल्याण योजना, 2014-15 (समग्र विकास)

## जनजातीय विकास कार्यक्रम समीक्षा एवं सुझाव :-

निश्चित रूप से जनजातीय विकास हेतु किए गए उपरोक्त प्रयासों से भारतीय जनजातियों की स्थिति में सुधार हुआ है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

Scanned by CamScanner

परन्तु अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और भारतीय जनजातियाँ एक पिछड़े समुदाय के रूप में चिन्हित की जा रही हैं (वर्तमान में जनजातियों के विकास के निम्न स्तर के संकेतकों की चर्चा करें।)

इस पिछड़ेपन की स्थिति के लिए निम्न कारणों को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है- जैसे- जनजातियों में गरीबी का निम्नतर स्तर फलतः वे प्रदत्त योजनाओं के लाभ का समुचित उपयोग नहीं कर पाये।

- जनजातीय आवश्यकताओं को समझे बिना ही उनके लिए विकास योजनाएँ सुनिश्चित करना फलतः
- योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में राजनीतिक हित प्रमुख रहे।
- योजनाओं के क्रियान्वयन में दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव और क्रियान्वित करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों में संवेदनशीलता का अभाव रहा।
- जनजातीय समुदाय में जागरूकता का अभाव एवं अशिक्षा के कारण वे इन योजनाओं के लाभ से वंचित रहे।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

Scanned by CamScanner

- योजनाओं के क्रियान्वयन में विभिन्न एजेंसियों और विभागों के मध्य समन्वयन।
- इन योजनाओं को विखंडित रूप से चलाया गया - फलत: ये परिणामी नहीं हो पाए।

योजनागत प्रयासों को सफल बनाने हेतु :-

- जनजातीय विकास योजनाओं का निर्माण करते हुए इनकी परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाए।
- जनजातीय विकास योजनाओं के केन्द्रीयकृत स्वरूप के स्थान पर विकेन्द्रित स्वरूप को अपनाया जाए।
- जनजातीय विकास से जुड़ी सभी योजनाओं को एकीकृत किया जाए और संसाधनों के अनावश्यक दुरूपयोग से बचा जाए।
- योजनाओं एवं कार्यक्रमों को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ, भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से लागू किया जाए और इन योजनाओं को राजनीतिकरण से बचाया जाए।

KGS IAS

Scanned by CamScanner

साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वयन स्थापित किया जाए और कर्मचारियों को संवेदनशील बनाया जाये।

- शिक्षा का प्रसार आदि तरीकों से योजनाओं के लाभ प्राप्ति हेतु जनजातियों को प्रेरित किया जाए, पारदर्शिता को बढ़ाकर तथा योजनाओं का प्रचार-प्रसार करके जनजातियों के सहभागिता में वृद्धि किया जाये।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Scanned by CamScanner